पेरू में 4,000 वर्ष पुराना मंदिर

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

पुरातत्त्वविदों के एक दल ने प्रशांत महासागर के पास उत्तरी पेरू के **लाम्बायेक क्षेत्र** के जाना नामक स्थान पर रेत के टीले में दबे **4,000 वर्ष पुराने एक अनुष्ठानिक मंदिर** का पता लगाया है, जिसमें कंकाल के अवशेष मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि यह प्राचीन धार्मिक अनुष्ठानों के लिये चढ़ावा चढ़ाया जाता था।

- **बहुमंज़िला इमारत के भीतर तीन वयस्कों के कंकाल मिले**। अवशेषों में से एक के साथ प्रसाद भी रखा हुआ था और संभवतः उसे लिनन या कपड़े में लपेटा गया था।
- एक मंदिर की दीवार पर एक उच्च-उभरा चित्र एक पौराणिक आकृति को दर्शाता है, जिसमें मानव शरीर और पक्षी का सिर है, जो **पूर्व-हिस्पैनिक चाविन संस्कृति** से पहले का है।
  - **चाविन सभ्यता** 900-250 ईसा पूर्व के बीच पेरू के उत्तरी **एंडियन हाइलैंड्स** में विकसित हुई थी। यह **मोस्ना घाटी** में स्थित थी, जहाँ मोस्ना और हुआचेसा नदियाँ मिलती हैं। यह अब यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल (चाविन डी हुआंतार) है।
- **निकटवर्ती उत्खनन से मोचे संस्कृति** से संबंधित एक अन्य मंदिर का पता चला, जो लगभग 1,400 वर्ष पुराना है।
  - **मोचे संस्कृति,** जिसे **मोचिका संस्कृति** के नाम से भी जाना जाता है, पेरू के उत्तरी तट पर लगभग **100 ई. से 800 ई. के बीच** फली-फूली। पेरू के शुष्क उत्तरी तट के साथ नदी घाटियों में फली-फूली।
- **उत्तरी पेरू पवित्र शहर कैरल (5,000 वर्ष पुराना)** जैसे प्राचीन समारोह परिसरों के लिये जाना जाता है।
  - पेरू का सबसे प्रमुख पुरातात्त्विक स्थल **इंका सिटाडेल माचू पिच्चू (Incan citadel Machu Picchu)** है, जिसका निर्माण 15वीं शताब्दी के मध्य में हुआ था।

विश्व की प्रमुख सभ्यताएँ

मेसोपोटामिया, 4000-3500 ईसा पूर्व

- इसका उद्गम आधुनिक इराक और **ईरान, सीरिया, कुवैत** और **तुर्की** के कुछ भाग, **टाइग्रिस** और **यूफ्रेट्स नदियों** के बीच हुआ
- इसे **सभ्यता के उद्गम** स्थल के रूप में जाना जाता है
- अपनी लिपि, देवताओं और महिलाओं पर विचारों वाली संस्कृतियों का विविध संग्रह
- समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परिदृश्य को दर्शाते हुए, धर्म, कानून, चिकित्सा और ज्योतिष जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित करने वाली **अत्यधिक सम्मानित शिक्षा प्रणाली**
- **पुरुष तथा महिला दोनों विविध व्यवसायों में शामिल** थे, जिनमें कृषि के साथ-साथ मुंशी, चिकित्सक, कारीगर, बुनकर, कुम्हार आदि जैसी भूमिकाएँ भी शामिल थीं।
- महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त थे और वे जमीन की मालिक भी हो सकती थीं, तलाक के लिये याचिका लगा सकती थीं, आदि
- **मीनारें,** सीढ़ीदार पिरामिड मंदिरों के **आसपास बसे हुए शहर** के निवासी अपने संरक्षक देवता का सम्मान करते थे
- **धूप में सुखाई गई ईंटों** से निर्मित शहर, विश्व के पहले शहर थे।

प्राचीन मिस्र, 3100 ईसा पूर्व

- **नील नदी** के तट पर स्थित
- **पिरामिडों, कब्रों और मकबरों** के लिये सबसे अधिक जाना जाता है, जिसमें शवों को मृत्यु के पश्चात् के जीवन हेतु तैयार करने के लिये ममीकरण किया जाता है।
- इसने स्मारकीय लेखन और गणित प्रणालियों की विरासत छोड़ी
- सभ्यता **332 ईसा पूर्व में** सिकंदर महान की विजय के साथ **समाप्त** हो गई

सिंधु घाटी सभ्यता, 3300 ईसा पूर्व

- यह आधुनिक **भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान** में स्थित है
- अन्य प्राचीन सभ्यताओं की तुलना में अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण, व्यापक युद्ध के बहुत कम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं
- **संगठित शहर की योजना, एकसमान पकी-ईंट वाले घरों,** एक ग्रिड संरचना और जल निकासी, सीवेज और जल आपूर्ति प्रणालियों से परिपूर्ण
- **1800 ईसा पूर्व के आसपास इसका पतन** हुआ, मृत्यु के पीछे के वास्तविक कारणों पर अभी भी परिचर्चाएँ होती हैं (ये सिद्धांत पतन के लिये आर्य आक्रमण या जलवायु एवं प्राकृतिक कारकों को प्रस्तावित करते हैं)

प्राचीन चीन, 2000 ईसा पूर्व

- हिमालय पर्वत, प्रशांत महासागर और गोबी रेगिस्तान द्वारा संरक्षित, **यलो और यांग्त्ज़ी नदियों के बीच स्थित**
- सदियों तक आक्रमणकारियों और अन्य विदेशियों से संघर्ष में फला-फूला
- सामान्यतः चार राजवंशों में विभाजित **- ज़िया, शांग, झोउ और किन** - प्राचीन चीन पर एक के बाद एक सम्राटों का शासन था।
- **दशमलव प्रणाली, अबेकस और धूपघड़ी** के साथ-साथ **प्रिंटिंग प्रेस** को विकसित करने का श्रेय दिया जाता है
- बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के निर्माण के लिये आबादी को संगठित किया (मिस्रवासियों के समान)

Drishti IAS

//

और पढ़ें: [प्राचीन माया शहर की खोज]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/4,000-year-old-temple-in-peru